ISO 9001:2015 CERTIFIED

मासिक पत्रिका

॥ हर हर महादेव ॥

RNI No.: MPHIN/2022/82783

अंक 04 , वर्ष 04 अप्रैल 2026

कुल पृष्ठ : 52, मूल्य 50 रूपए

हमारा देश हमारा अभिमान

पश्चिम बंगाल चुनाव में बंपर वोटिंग

क्या पलटेगा खेल?

पहले चरण में हुए भारी मतदान के बाद राजनीतिक दलों के बीच जुबानी जंग बहुत तेज हो गई है। भारी मतदान को लेकर भाजपा और सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) दोनों ही अपनी-अपनी जीत के बड़े दावे कर रहे हैं। एक तरफ जहां भाजपा इसे बदलाव की आंधी बता रही है तो वहीं दूसरी तरफ टीएमसी इसे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विकास कार्यों पर जनता की मुहर बता रही है।

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए प्रचार पूरे जोर-शोर से चल रहा है

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर अपने सबसे निर्णायक मोड़ पर खड़ी नजर आ रही है, जहां 29 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के दूसरे और अंतिम चरण से पहले चुनावी प्रचार पूरी तरह चरम पर पहुंच चुका है। इस चरण में कुल 142 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होना है, जो राज्य की सत्ता की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। पहले चरण में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान ने यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि मतदाता इस बार पूरी सक्रियता के साथ अपने अधिकार का उपयोग कर रहे हैं, जिससे राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा और भी तीव्र हो गई है। चुनावी रणभूमि में सबसे ज्यादा सक्रियता राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की नजर आ रही है। प्रधानमंत्री Narendra Modi ने पनिहाटी और बारुईपुर में आयोजित विशाल जनसभाओं को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर तीखे हमले किए। उन्होंने राज्य सरकार को भ्रष्टाचार, घुसपैठ और महिला विरोधी नीतियों के आरोपों में घेरते हुए कोलकाता में एक युवा डॉक्टर की दुखद मौत का जिक्र किया, जिसे उन्होंने कानून-व्यवस्था की विफलता का प्रतीक बताया। अपने भाषण में उन्होंने यह भी वादा किया कि यदि भाजपा सत्ता में आती है तो आयुष्मान भारत योजना को पश्चिम बंगाल में लागू किया जाएगा, जिससे गरीबों को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। साथ ही, 'अन्नपूर्णा भंडार योजना' के तहत महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता देने का आश्वासन भी दिया गया। उन्होंने राज्य को "सिंडिकेट राज" और बढ़ती बेरोजगारी से मुक्त करने का संकल्प दोहराते हुए इसे विकास की नई दिशा देने की बात कही। इसी क्रम में केंद्रीय गृह मंत्री Amit Shah ने भी हिंगलगंज में एक प्रभावशाली रैली को संबोधित करते हुए भाजपा की संभावनाओं को लेकर आत्मविश्वास जताया। उन्होंने दावा किया कि पहले चरण में भाजपा को भारी बढ़त मिली है और यही रुझान दूसरे चरण में भी जारी रहेगा। उन्होंने राज्य में महिलाओं के खिलाफ हुए अपराधों के मामलों को दोबारा खोलने, कथित "कट मनी" और "भतीजा कर" जैसी प्रथाओं को समाप्त करने तथा पांच वर्षों के भीतर रुकी हुई विकास परियोजनाओं को पूरा करने का वादा किया। इसके साथ ही उन्होंने उत्तर 24 परगना के जगतदल में रोड शो कर कार्यकर्ताओं और समर्थकों में जोश भरने का प्रयास किया। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस भी पूरी ताकत के साथ मैदान में डटी हुई है। मुख्यमंत्री Mamata Banerjee ने हावड़ा में चुनाव प्रचार के दौरान केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल को मिलने वाले लगभग 2 लाख करोड़ रुपये की राशि को जानबूझकर रोका गया है। उन्होंने इसे राज्य के विकास में बाधा डालने की साजिश बताया और साथ ही सार्वजनिक संपत्तियों के निजीकरण की नीति की कड़ी आलोचना की। ममता बनर्जी ने यह भी दावा किया कि भाजपा को इस बार पिछले चुनाव की तुलना में कम सीटें मिलेंगी और जनता एक बार फिर तृणमूल कांग्रेस पर भरोसा जताएगी। तृणमूल के वरिष्ठ नेता Abhishek Banerjee ने जगतबल्लभपुर में आयोजित सभा में राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए जनता के बीच अपनी सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि तृणमूल सरकार ने सामाजिक सुरक्षा, महिलाओं के सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं और भविष्य में भी यह विकास यात्रा जारी रहेगी। पहले चरण में भारी मतदान के बाद दोनों प्रमुख दल अपनी-अपनी जीत के दावे कर रहे हैं, जिससे राजनीतिक माहौल और अधिक गर्म हो गया है। जहां भाजपा इसे परिवर्तन की लहर बता रही है, वहीं तृणमूल कांग्रेस इसे अपने कार्यों पर जनता की मुहर मान रही है। जैसे-जैसे दूसरे चरण की तारीख नजदीक आ रही है, राज्य में चुनावी सरगर्मी और तेज होती जा रही है। पश्चिम बंगाल का यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का सवाल नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक दिशा, विकास मॉडल और सामाजिक संतुलन को भी प्रभावित करने वाला माना जा रहा है। ऐसे में 29 अप्रैल का मतदान न केवल पार्टियों के लिए बल्कि पूरे राज्य के भविष्य के लिए निर्णायक साबित हो सकता है।

ट्रेंड में है कंप्यूटर साइंस से पढ़ाई

कहां मिलती हैं नौकरियां, जानें सैलरी और करियर स्कॉप

डिजिटल दौर में कंप्यूटर साइंस सबसे लोकप्रिय और ट्रेंडिंग करियर में से एक है. कंप्यूटर और डिजिटल उपकरणों के शौकीन लोगों के लिए इस फील्ड में पढ़ाई करना काफी मजेदार रहता है. कंप्यूटर विज्ञान में प्रोग्रामिंग, सॉफ्टवेयर डिजाइन, वेब डिजाइन, कंप्यूटर इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों की पढ़ाई करना और इसी में करियर बनाना शामिल है. Computer Science की पढ़ाई करने को आसान शब्दों में ऐसे समझ सकते हैं कि इसके जरिए कंप्यूटर सिस्टम की स्टडी की जाती है. इसे कैसे ऑपरेट करते हैं, ये कैसे फंक्शन करता है, इसका हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और इसके database के लिए algorithms को समझना इसमें शामिल होता है.कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई करने वाले इसके डिजाइन, डेपलपमेंट और कंप्यूटर एप्लीकेशन से जुड़ी अलग अलग टेक्नोलॉजी को समझना और क्रिएट करना होता है. आज की दुनिया में कंप्यूटर विज्ञान का दायरा व्यापक है. इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नेटवर्क सुरक्षा, डेटाबेस सिस्टम, मशीन लर्निंग, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज और मानव-कंप्यूटर इंटरेक्शन जैसे अध्ययन के विभिन्न क्षेत्र शामिल हैं.

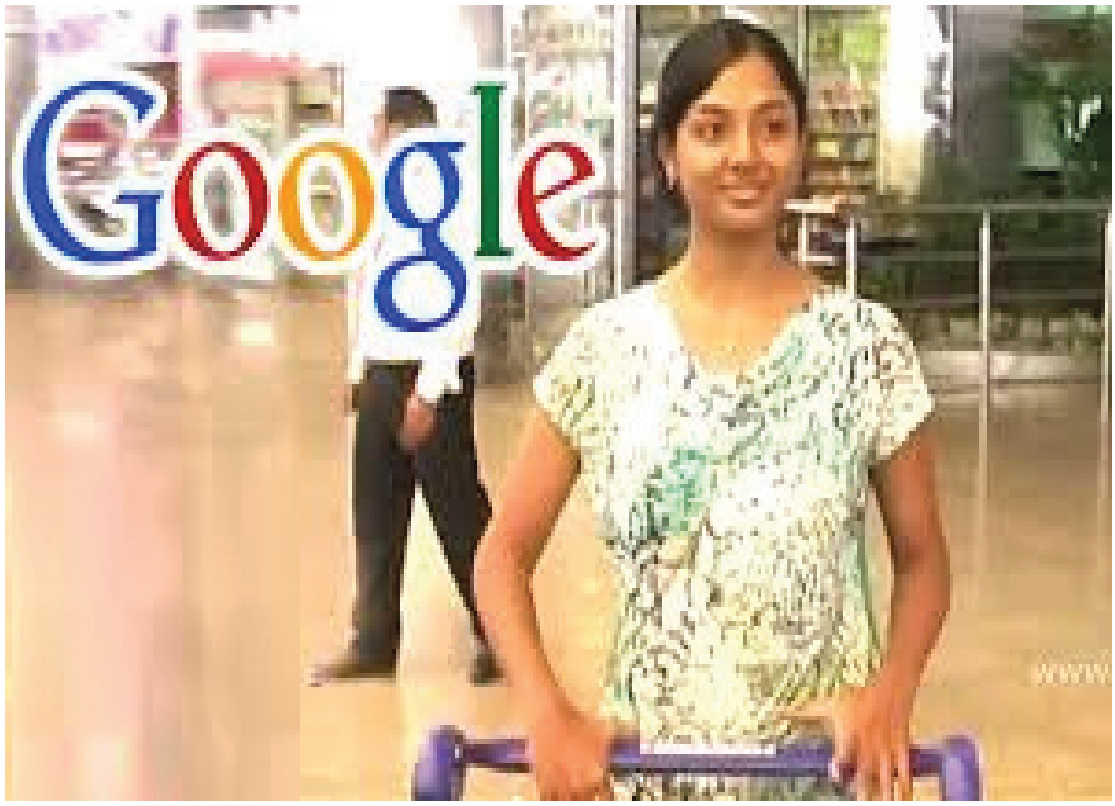

कंप्यूटर साइंस और कंप्यूटर इंजीनियरिंग शब्द कई बार एक दूसरे के स्थान पर यूज किए जाते हैं. क्या आप भी ऐसा करते हैं और दोनों को एक ही मानते हैं ? अगर ऐसा करते हैं तो यह गलत है. कंप्यूटर साइंस और कंप्यूटर इंजीनियरिंग दोनों अलग-अलग फील्ड है. हालांकि दोनों कई स्थानों पर एक दूसरे को ओवरलैप भी करते हैं. अगर बेसिक अंतर समझें तो कंप्यूटर साइंस में कंप्यूटर प्रोसेस का अध्ययन किया जाता है और कंप्यूटर इंजीनियरिंग में हॉर्डवेयर और सॉफ्टवेयर डेवलप करने के तरीके का अध्ययन किया जाता है. कंप्यूटर साइंस और कंप्यूटर इंजीनियरिंग अलग-अलग डिग्री प्रोग्राम हैं. हालांकि जरूरी वर्क और स्किल सेट अक्सर ओवरलैप होते हैं. आइए जानते हैं कि दोनों एक दूसरे से किस तरह अलग हैं और इनका जॉब प्रोफाइल कैसा है.

कंप्यूटर साइंस

कंप्यूटर साइंस में कंप्यूटर सिस्टम की स्टडी की जाती है. जिनमें डेटा के साथ डील किया जाता है और जिन्हें प्रोग्राम के रूप में दर्शाया जाता है. कंप्यूटर इंजीनियरिंग के मुकाबले कंप्यूटर साइंस अधिक थ्योरेटिकल होता है. यह उनके लिए अधिक बेहतर होता है जो रिसर्च और एनालाइजिंग जैसे फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं.

कंप्यूटर इंजीनियरिंग

कंप्यूटर इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस के मुकाबले अधिक प्रैक्टिकल है. यह उन लोगों के लिए अधिक बेहतर है जो अपने हाथों से कुछ बनाना चाहते हैं. सॉफ्टवेयर या हार्डवेयर मैटेरियल के प्रोडक्शन की इंडस्ट्री में काम करना चाहते हैं. कंप्यूटर इंजीनियरिंग में कंप्यूटेशन के कई पहलू शामिल हैं, जैसे कि सर्किट डिजाइन से लेकर माइक्रोकंट्रोलर, माइक्रोप्रोसेसर, पर्सनल कंप्यूटर और सुपर कंप्यूटर के डिजाइन तक. कंप्यूटर इंजीनियरिंग के प्रमुख टेक्निकल क्षेत्र साइबर सुरक्षा, नेटवर्किंग, डिजाइन ऑटोमेशन, मशीन इंटेलिजेंस, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और बायोमेडिकल और एम्बेडेड सिस्टम आदि.

कंप्यूटर साइंस और सीएसई नौकरियों के लिए वेतन पैकेज कंपनी के साथ-साथ प्रोफ़ाइल के अनुसार अलग हो सकता हैं. औसतन, कंप्यूटर साइंस और कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स 10 लाख से 30 लाख सालाना पैकेज की उम्मीद कर सकते हैं. डेटा साइंटिस्ट का एंट्री लेवल वेतन 5,00,000 सालाना है, अनुभव के साथ यह अधिक होता है.

हमारा देश हमारा अभिमान

॥ हर हर महादेव ॥

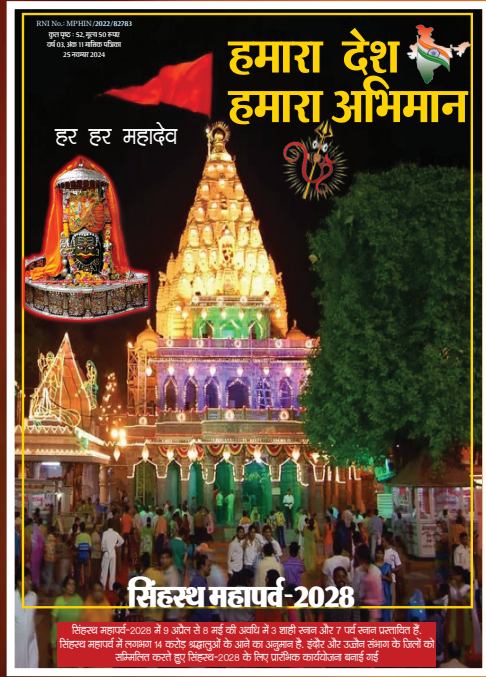

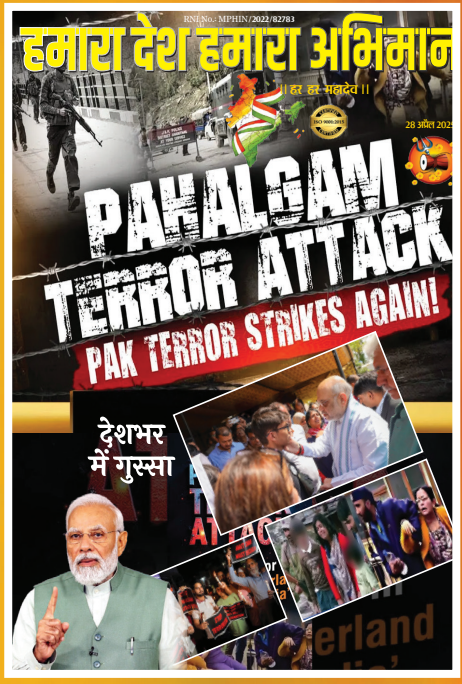

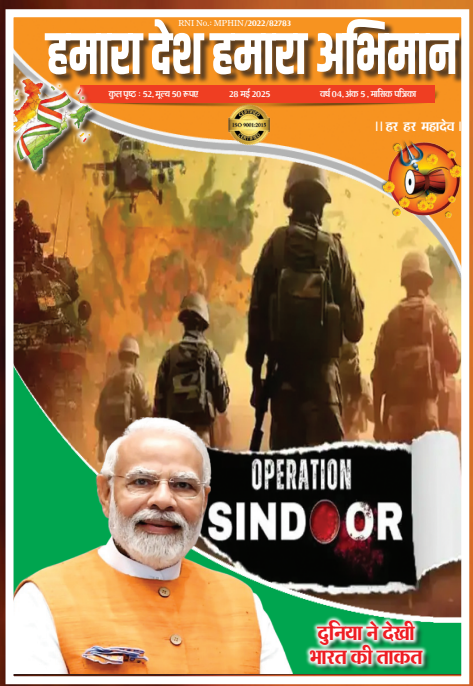

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की प्रति बुक करने के लिए सम्पर्क करें.....

मनोज चतुर्वेदी : 9826636922, 8839259136